टिप्पणी

30

ऋणपत्रों का निर्गमन

आप यह जान चुके हैं कि एक संयुक्त पूँजी कंपनी के लिए अंश पूँजी वित्त का मुख्य स्रोत है। यह पूँजी अंशों का निर्गमन कर एकत्रित की जाती है। जिन व्यक्तियों के पास कंपनी के अंश होते हैं वह अंशधारी कहलाते हैं तथा वह कंपनी के स्वामी होते हैं। कंपनी को दीर्ध अवधि के लिए अतिरिक्त राशि की आवश्यकता हो सकती हे। यह हर बार अंशों का निर्गमन नहीं कर सकती। यह जनसाधारण से ऋण ले सकती है। ऋण की राशि को छोटी राशि की इकाइयों में विभक्त कर, उन्हें जनसाधारण को बेच सकती है। प्रत्येक इकाई को 'ऋणपत्र' कहते हैं तथा इन इकाइयों के धारक को ऋणपत्रधारी कहते हैं। इस प्रकार से जुटाई गई राशि कंपनी पर ऋण होती है। इस पाठ में हम ऋणपत्रों के निर्गमन एवं लेखाकरण का अध्ययन करेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ के पढ़ने के पश्चात आप :

- ऋणपत्रों का अर्थ एवं उसके प्रकारों को जान सकेंगे;
- ऋणपत्रों के निर्गमन एवं इसके लेखाकरण की प्रक्रिया को समझा सकेंगे;
- अंशों के सह प्रतिभूति (collateral security) के रूप में निर्गमन को समझा सकेंगे;
- ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे एवं हानि को अपलिखित एवं कंपनी की लेखा पुस्तकों में उनके लेखाकरण व्यवहार को समझा सकेंगे;
- ऋणपत्रों पर ब्याज की गणना कर सकेंगे।

टिप्पणी

30.1 ऋणपत्रों का अर्थ एवं इसके प्रकार

ऋणपत्र ऋण राशि की एक इकाई होती है। जब भी कंपनी जन साधारण से ऋण जुटाना चाहती है, तो ऋणपत्र जारी करती है। जिस व्यक्ति के पास ऋणपत्र होते हैं वह 'ऋणपत्रधारी' कहलाता है। ऋणपत्र एक ऐसा प्रपत्र होता है जिस पर कंपनी की सार्वमुद्रा होती है। यह ऋण पत्र के सम मूल्य के बराबर कंपनी द्वारा प्राप्त ऋण की स्वीकृति होती है। इस पर शोधन की तिथि तथा ब्याज की दर एवं भुगतान का माध्यम अंकित होता है। एक ऋणपत्र धारक कंपनी का लेनदार होता है।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 2(12) के अनुसार 'ऋणपत्र में ऋणपत्र स्टॉक' बांड एवं कंपनी की अन्य प्रतिभूतियाँ सम्मिलित होती हैं चाहे उनका कंपनी की परिसम्पत्तियों पर प्रभार है अथवा नहीं।''

ऋणपत्रों के प्रकार

ऋणपत्रों को नीचे दिये गये आधार के अनुसार वर्गीकृत किया जा सकता है :

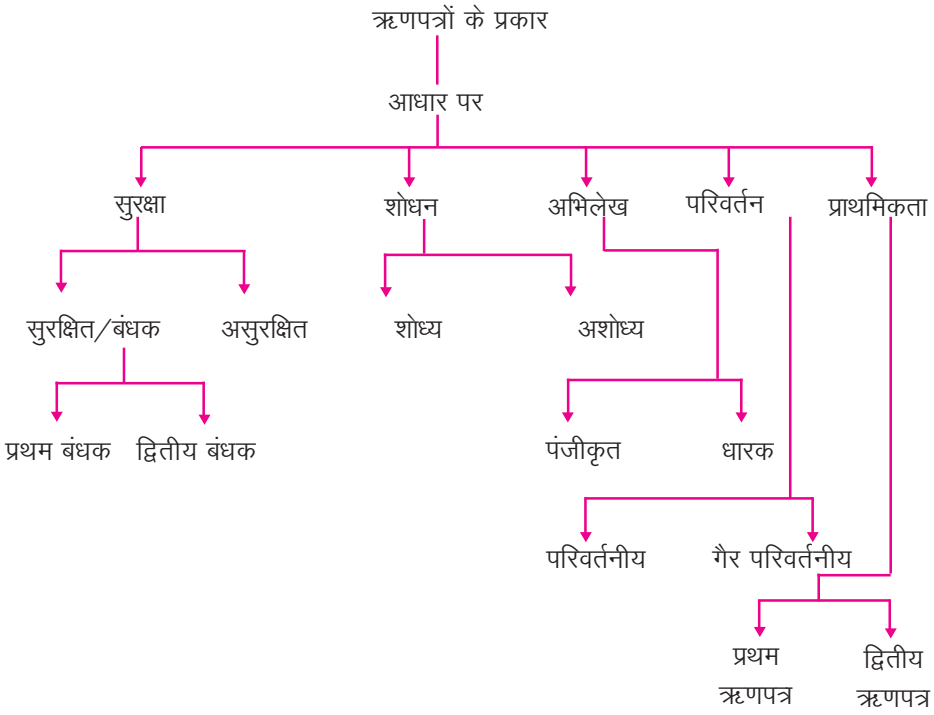

1. सुरक्षा की दृष्टि से (From Security Point of View)

(i) सुरक्षित अथवा बंधक ऋणपत्र : यह वह ऋणपत्र होते हैं जिनको कंपनी की सम्पत्तियों पर प्रभार के द्वारा सुरक्षित किया जाता है। इन्हें बंधक ऋणपत्र भी कहते हैं। सुरक्षित ऋणपत्रों के धारकों को अपनी मूल राशि तथा अदत्त ब्याज की राशि को कंपनी की बंधक रखी गई परिसम्पत्तियों से वसूलने का अधिकार होता है। भारत में ऋणपत्रों को सुरक्षित करना अनिवार्य है। सुरक्षित ऋणपत्र दो प्रकार के हो सकते हैं :

टिप्पणी

(a) ***प्रथम बंधक ऋणपत्र :*** इन ऋणपत्र धारियों का प्रभार पर रखी गई परिसम्पत्तियों पर पहला दावा होता है

(b) ***द्वितीय बंधक ऋणपत्र :*** इन ऋणपत्र धारियों का प्रभार पर रखी गई परिसम्पत्तियों पर दूसरे स्थान पर दावा होता है।

(ii) असुरक्षित ऋणपत्र : जिन ऋणपत्रों को मूल राशि एवं अदत्त ब्याज की कोई सुरक्षा नहीं मिली होती है उन्हें असुरक्षित ऋणपत्र कहते हैं। इन्हें साधारण ऋणपत्र भी कहते हैं।

2. शोधन के आधार पर (On the Basis of Redemption)

(i) शोध्य ऋणपत्र (Redeemable debentures) : यह ऋणपत्र एक निश्चित अवधि के लिए जारी किये जाते हैं। इन ऋणपत्रों की मूल राशि का ऋणपत्र धारकों को एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर भुगतान कर दिया जाता है। इनका शोधन वार्षिक आहरण द्वारा अथवा खुले बाजार से क्रय करके किया जा सकता है।

(ii) अशोध्य ऋणपत्र (Non-redeemable debentures) : यह वे ऋणपत्र होते हैं जिनका शोधन कंपनी के जीवन काल में नहीं किया जाता। इन ऋणपत्रों का भुगतान कंपनी के समापन पर ही किया जाता है।

3. अभिलेख के आधार पर (On the basis of Records)

(i) पंजीकृत ऋणपत्र : यह वह ऋणपत्र है जिनका कंपनी में पंजीकरण करा लिया गया है। इन ऋणपत्रों की राशि का भुगतान केवल उन ऋणपत्र धारकों को किया जाता है जिनका नाम कंपनी के रजिस्टर में लिखा हुआ है।

(ii) धारक ऋणपत्र : यह वह ऋणपत्र है जिनका कंपनी के रजिस्टर में अभिलेख नहीं हुआ है। इन को मात्र सुपुर्दगी से हस्तान्तरित किया जा सकता है। इन ऋणपत्र धारकों को ब्याज पाने का अधिकार होता है।

4. परिवर्तनशीलता के आधार पर (On the basis of convertibility)

(i) परिवर्तनीय ऋणपत्र : ये वे ऋणपत्र हैं जिनको कंपनी के अंशों में पूर्व निर्धारित अवधि के समापन पर परिवर्तित किया जा सकता है। परिवर्तन की शर्तें साधारणतया ऋणपत्रों के निर्गमन के समय घोषित की जाती हैं।

(ii) गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र : इस प्रकार के ऋणपत्र धारक अपने ऋणपत्रों को कंपनी के अंशों में परिवर्तन नहीं करा सकते हैं।

5. प्राथमिकता के आधार पर (On the basis of priority)

(i) प्रथम ऋणपत्र : इन ऋणपत्रों का भुगतान अन्य ऋण पत्रों के पूर्व किया जाता है।

(ii) द्वितीय ऋणपत्र : इनका शोधन प्रथम ऋणपत्रों के शोधन के पश्चात किया जाता है।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 30.1

निम्न में प्रत्येक के सामने ऋणपत्र के प्रकार का नाम लिखें :

(i) ऋणपत्र जिनका अन्य ऋणपत्रों से पूर्व शोधन किया जाता है।

(ii) ऋणपत्र जिनका धारक प्रभार की गई परिसम्पत्तियों पर पहला अधिकार होता है।

(iii) ऋणपत्र जिनका हस्तान्तरण केवल सुपुर्दगी द्वारा होता है।

(iv) ऋणपत्र जिनकी राशि कंपनी के समापन पर ही लौटाई जाती है।

30.2 ऋणपत्रों का निर्गमन

ऋणपत्रों के निर्गमन का अर्थ है कंपनी की सार्वमुद्रा के अन्तर्गत प्रमाण पत्र जारी करना जो कंपनी द्वारा ऋण लेने की स्वीकृति होती है।

किसी कंपनी द्वारा ऋण पत्रों के निर्गमन की प्रक्रिया अंशों के निर्गमन की प्रक्रिया के समान होती है। प्रविवरण पत्र जारी किया जाता है, आवेदन आमन्त्रित किए जाते हैं एवं आबंटन पत्र जारी किये जाते हैं। आवेदनों की अस्वीकृति एवं आबंटन पत्र जारी किये जाते हैं। आवेदनों की अस्वीकृति पर आवेदन राशि को लौटा दिया जाता है। आंशिक आबंटन पर अतिरिक्त आवेदन राशि को आगे की किश्तों में समायोजित किया जा सकता है।

ऋणपत्रों के निर्गमन के विभिन्न स्वरूप हैं जो इस प्रकार हैं :

1. ऋणपत्रों का नकद निर्गमन
2. ऋणपत्रों का नकद के अतिरिक्त निर्गमन
3. ऋणपत्रों का सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमन

ऋणपत्रों का इस प्रकार से भी निर्गमन किया जा सकता है :

(i) सममूल्य पर (ii) प्रीमियम पर (iii) बट्टे पर

ऋणपत्रों के नकद निर्गमन पर लेखांकन

1. ऋणपत्रों का नकद सममूल्य पर निर्गमन :

निम्नलिखित रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी :

(i) आवेदन राशि प्राप्त

बैंक खाता		नाम
	ऋणपत्र आवेदन खाता से	
(ऋणपत्रों पर आवेदन राशि प्राप्त हुई)		

टिप्पणी

(ii) ऋणपत्रों के आबंटन पर आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण

ऋणपत्र आवेदन खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण किया गया)

(iii) आबंटन पर राशि देय

ऋणपत्र आबंटन खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(आबंटन राशि देय हुई)

(iv) आबंटन पर देय राशि की प्राप्ति

बैंक खाता नाम
ऋणपत्र आबंटन खाता से
(ऋणपत्र आबंटन राशि प्राप्त हुई)

(v) प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि मांगी गई :

ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(..... ऋणपत्रों पर प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि देय हुई)

(vi) प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि प्राप्त हुई :

बैंक खाता नाम
ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से
(देय याचना राशि प्राप्त हुई)

नोट : दो याचनाएं की जा सकती है प्रथम एवं द्वितीय। इनकी प्रविष्टियां वही हैं जो प्रथम एवं अन्तिम याचना की हैं।

उदाहरण 1

शाइनिंग इन्डिया लि. ने 5,000 8% ऋणपत्र ₹ 100 प्रति निर्गमित किये जिन पर भुगतान इस प्रकार किया जाना था।

₹ 20 आवेदन पर

₹ 30 आबंटन पर

₹ 50 प्रथम एवं अन्तिम याचना पर

सभी ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए तथा उनका आबंटन किया गया। सभी याचनाएं समय पर प्राप्त हुई। कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

टिप्पणी

हल :

शाइनिंग इन्डिया लि.

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
1.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आवेदन खाता से (5,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन राशि प्राप्त हुई)		1,00,000	1,00,000
2.	ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 8% ऋणपत्र खाता से (आवेदन राशि का आबंटन पर ऋण पत्रों में हस्तान्तरण)		1,00,000	1,00,000
3.	ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 8% ऋणपत्र खाता से (5,000 ऋणपत्रों पर ₹ 30 प्रति ऋण पत्र आबंटन राशि देय)		1,50,000	1,50,000
4.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आबंटन खाता से (आबंटन राशि प्राप्त हुई)		1,50,000	1,50,000
5.	ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता नाम 8% ऋणपत्र खाता से (ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि ₹ 50 प्रति ऋणपत्र की दर से देय)		2,50,000	2,50,000
6.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना खाता से (ऋणपत्र प्रथम एवं अन्तिम याचना राशि प्राप्त हुई)		2,50,000	2,50,000

टिप्पणी

अधि-अभिदान (Over Subscription)

जब कंपनी अभिदान हेतु ऋणपत्रों की संख्या से अधिक के लिए आवेदन प्राप्त करती है तो इसे अधि-अभिदान कहते हैं। अतिरिक्त आवेदन राशि के साथ निम्न व्यवहार किया जा सकता है :

(क) आवेदनों को पूर्ण तथा रद्द करने पर अतिरिक्त आवेदनों की कुल राशि को लौटा दिया जाता है।

(ख) आवेदनों पर प्राप्त अतिरिक्त राशि का समायोजन आबंटन एवं याचना पर देय राशि में कर लिया जाता है।

आंशिक आबंटन पर

अतिरिक्त राशि का आबंटन पर देय राशि में समायोजन कर लिया जाता है ताकि शेष राशि वापस कर दी जाती है। उपरोक्त स्थिति में रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी :

आवेदनों के रद्द कर दिये जाने पर राशि की वापसी के लिए :

ऋणपत्र आवेदन खाता		नाम
	बैंक खाता से	
(रद्द किये गये आवेदनों की राशि की वापसी)		

अतिरिक्त आवेदन राशि का आबंटन देय राशि में समायोजन करने पर

ऋणपत्र आवेदन खाता		नाम
	ऋणपत्र आबंटन खाता से	
(अतिरिक्त आवेदन राशि का समायोजन)		

उदाहरण 2

ए. बी. सी. लि. ने 5,000 10% ऋणपत्र 100 रु. प्रति से जारी किये जिन पर भुगतान इस प्रकार करना था : ₹ 40 आवेदन पर एवं ₹ 60 आबंटन पर। 6,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए। 500 ऋणपत्रों के आवेदकों को क्षमा पत्र भेज दिए गये तथा उनकी राशि लौटा दी गई शेष आवेदकों को अनुपातन आबंटन कर दिया गया। अधि-अभिदान की राशि को आबंटन पर देय राशि में समायोजत कर दिया गया। सभी राशि समय पर प्राप्त हुई।

उपरोक्त लेनदेनों के लिए कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल :

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
1.	बैंक खाता नाम		2,40,000	
	ऋणपत्र आवेदन खाता से			2,40,000
	(6,000 ऋणपत्रों के लिए ₹ 40 प्रति ऋणपत्र की दर से आवेदन राशि प्राप्त की गई)			
2.	ऋणपत्र आवेदन खाता नाम		2,40,000	
	10% ऋणपत्र खाता से			2,00,000
	बैंक खाता से			20,000
	ऋणपत्र आबंटन खाता से			20,000
	(5,000 ऋणपत्रों की ऋणपत्र आवेदन राशि का उनके आबंटन पर ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण 500 ऋणपत्रों की राशि को वापस किया तथा शेष 500 की राशि आबंटन में समायोजत की गई)			
3.	ऋण आबंटन खाता नाम		3,00,000	
	10% ऋणपत्र खाता से			3,00,000
	(5,000 ऋणपत्रों पर ₹ 60 प्रति ऋणपत्र आबंटन राशि देय)			
4.	बैंक खाता नाम		2,80,000	
	ऋणपत्र आबंटन खाता से			2,80,000
	(आबंटन राशि प्राप्त हुई)			

पाठगत प्रश्न 30.2

i. ऋणपत्रों के विभिन्न प्रकारों को लिखिए :

(अ) _____

(ब) _____

टिप्पणी

ii. एक कंपनी ने ₹ 100 प्रत्येक के 10,000, 10% ऋणपत्रों का निर्गमन किया जिस पर ₹ 30 प्रति ऋणपत्र की राशि का भुगतान आवेदन के साथ किया जायेगा। 12,000 ऋणपत्रों के लिये आवेदन प्राप्त हुए। कंपनी अधिक प्राप्त आवेदन राशि जो कि ₹60,000 (2,000 × ₹ 30) है क्या करे।

30.3 ऋणपत्रों का प्रीमियम और बट्टे पर निर्गमन

ऋणपत्रों का प्रीमियम पर निर्गमन करने का अभिप्राय सममूल्य से अधिक मूल्यपर जारी करना है। उदाहरण के लिए ₹ 100 का ऋणपत्र का ₹ 110 में निर्गमन करना। यह अधिक राशि ₹ 10 है जो कि प्रीमियम की राशि है। ऋणपत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम की राशि प्रतिभूति प्रीमियम खाता के जमा में लिखी जाती है।

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 78 के अनुसार :

रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार से होगी

ऋणपत्र आबंटन खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
प्रतिभूति प्रीमियम खाता से
(आबंटन पर ₹ ..... प्रीमियम सहित देय राशि)

उदाहरण 3

एक कंपनी ने ₹ 100 के 5,000 10% ऋणपत्र 20% प्रीमियम पर जारी किये जिनका भुगतान इस प्रकार होना था :

₹ 60 आवेदन पर

₹ 60 आबंटन पर (प्रीमियम सहित)

सभी ऋणपत्रों का अभिदान हुआ तथा राशि समय पर प्राप्त हुई ।

रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

हल

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
1.	बैंक खाता नाम ऋण पत्र आवेदन खाता से (आवेदन राशि प्राप्त हुई)		3,00,000	 3,00,000

टिप्पणी

2.	ऋणपत्र आवेदन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाता से (आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण)		3,00,000	 3,00,000
3.	ऋणपत्र आबंटन खाता नाम 10% ऋणपत्र खाता से प्रतिभूति प्रीमियम खाता से (प्रीमियम सहित आबंटन राशि देय)		3,00,000	 2,00,000 1,00,000
4.	बैंक खाता नाम ऋणपत्र आबंटन खाता से (आबंटन राशि प्राप्त हुई)		3,00,000	 3,00,000

ऋणपत्रों का बट्टे पर निर्गमन

जब ऋणपत्र उनके सममूल्य से कम पर जारी किये जाते हैं तो इनका बट्टे पर निर्गमन करना कहा जाता है। उदाहरण के लिये ₹ 100 का ऋणपत्र ₹ 90 पर निर्गमन किया गया कंपनी अधिनियम 1956 में ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन के लिये कोई शर्त नहीं रखी है जैसा कि अंशों के बट्टे पर जारी करने के लिये होती हैं। लेकिन ऋणपत्रों के इस प्रकार के निर्गमन हेतु कंपनी के अन्तर्नियमों में प्रावधान होना चाहिए।

ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन की रोजनामचा प्रविष्टि (जबकि बट्टा आबंटन के समय दिया गया हो)

	ऋणपत्र आबंटन खाता	नाम
	ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा खाता	नाम
	ऋणपत्र खाता से	
	(आबंटन देय हुआ बट्टे की राशि ₹ ..... प्रति ऋणपत्र है)	

उदाहरण 4

एक कंपनी ने 2,000, 9% ऋणपत्र ₹ 100 प्रति ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किये जिन पर भुगतान इस प्रकार होना था :

₹ 40 आवेदन पर

₹ 50 आबंटन पर

रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

टिप्पणी

हल :

रोजनामचा प्रविष्टियां

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
1.	बैंक खाता नाम		80,000	
	ऋणपत्र आवेदन खाता			80,000
	(आवेदन राशि प्राप्त हुई)			
2.	ऋणपत्र आवेदन खाता नाम		80,000	
	9% ऋणपत्र खाता से			80,000
	(आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तान्तरण किया गया)			
3.	ऋणपत्र आबंटन खाता नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र बट्टा खाता नाम		20,000	
	9% ऋणपत्र खाता से			1,20,000
	(₹ 10 प्रति ऋणपत्र बट्टे पर आबंटन पर राशि देय)			
4.	बैंक खाता नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र आबंटन खाता			1,00,000
	(आबंटन राशि प्राप्त हुई)			

रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के बदले में ऋणपत्रों का निर्गमन

जब कंपनी परिसम्पत्तियों का क्रय करती है तथा क्रय के भुगतान स्वरूप विक्रेता को ऋणपत्र जारी करती है तो इसे रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल स्वरूप ऋणपत्रों का निर्गमन कहते हैं। विक्रेता को ऋणपत्र सममूल्य पर प्रीमियम पर तथा बट्टे पर जारी किये जा सकते हैं।

लेखाकरण

1. सम्पत्ति का क्रय :

(विभिन्न) सम्पत्ति खाता नाम
(प्रत्येक सम्पत्ति अलग-अलग)
विक्रेता खाता से
(परिसम्पत्तियों का क्रय)

टिप्पणी

2. ऋणपत्रों का निर्गमन

(i) सममूल्य पर

विक्रेता खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(विक्रेता को ऋणपत्रों का सममूल्य पर निर्गमन)

(ii) बट्टे पर

विक्रेता खाता नाम
ऋणपत्र बट्टा खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(ऋणपत्रों का विक्रेता को .... प्रति ऋणपत्र बट्टे पर निर्गमन)

(iii) प्रीमियम पर

विक्रेता खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
प्रतिभूति प्रीमियम खाता से
(विक्रेता को .... प्रीमियम पर ऋणपत्रों का निर्गमन)

उदाहरण 5

एम. बी. इलैक्ट्रोनिक्स लि. ने ₹ 1,98,000 की मशीन का क्रय किया तथा विक्रेता को ₹ 100 के 9% ऋणपत्रों का निर्गमन किया। रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें यदि ऋणपत्र :

(क) सममूल्य पर जारी किये गये हैं;

(ख) ₹ 10 के प्रीमियम पर जारी किये हैं;

(ग) ₹ 10 के बट्टे पर जारी किये हैं।

हल :

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
(क)	मशीन खाता नाम विक्रेता खाता से (मशीन का क्रय किया गया)		1,98,000	1,98,000
	विक्रेता खाता नाम 9% ऋणपत्र खाता से (₹ 100 प्रति के 1,980 ऋण पत्र विक्रेता को जारी किये)		1,98,000	1,980,000

टिप्पणी

(ख)	विक्रेता खाता नाम 9% ऋणपत्र खाता से प्रतिभूति प्रीमियम खाता से (1800 ऋणपत्र ₹ 10 प्रति ऋणपत्र अभिमूल्य पर जारी किये)		1,98,000	 1,80,000 18,000
(ग)	विक्रेता खाता नाम ऋणपत्र बट्टा खाता नाम 9% ऋणपत्र खाता से (2,200 ऋणपत्रों का ₹ 100 प्रति से ₹ 10 प्रति ऋणपत्र बट्टे पर निर्गमन)		1,98,000 22,000	 2,20,000

कार्यकारी टिप्पणी :

देय राशि = ₹ 1,98,000

₹ 10 प्रीमियम राशि सहित ऋणपत्र का मूल्य = ₹ 110

निर्गमित किये जाने वाले ऋणपत्रों की संख्या = $\frac{₹1,98,000}{₹110}$ = ₹1,800

ऋणपत्रों की राशि = 1,800 × 100 = ₹ 1,80,000

प्रतिभूति प्रीमियम राशि = 1,800 × 10 = ₹ 18,000

कार्यकारी टिप्पणी :

विक्रेता को देय राशि = ₹ 1,98,000

₹ 10 बट्टे पर एक ऋणपत्र का मूल्य = ₹ 90 (₹ 100 – ₹ 10)

निर्गमन के लिए ऋणपत्रों की संख्या = $\frac{₹1,98,000}{₹90}$ = ₹2,200

ऋणपत्र राशि = 2,200 × ₹ 100 = ₹ 2,20,000 (सममूल्य पर)

ऋणपत्र बट्टा = 2,200 × ₹ 10 = ₹ 22,000

ऋणपत्रों का उनके शोधन से जुड़ी शर्तों पर निर्गमन (रोजनामचा प्रविष्टि)

(i) सममूल्य पर निर्गमन एवं सममूल्य पर शोधन :

बैंक खाता नाम

ऋणपत्र खाता से

(₹ ..... के ऋणपत्र सममूल्य पर निर्गमित किये)

टिप्पणी

(ii) बट्टे पर निर्गमन सममूल्य पर शोधन

बैंक खाता	नाम
ऋणपत्र बट्टा खाता	नाम
ऋणपत्र खाता से	
(₹ ..... का ऋणपत्र ..... बट्टे पर जारी)	

(iii) प्रीमियम पर निर्गमन सममूल्य पर शोधन

बैंक खाता	नाम
ऋणपत्र खाता से	
प्रतिभूति प्रीमियम खाता से	
(₹ ....ऋणपत्रों के .....प्रीमियम पर निर्गमन)	

(iv) सममूल्य पर निर्गमन, प्रीमियम पर शोधन

बैंक खाता	नाम
ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता	नाम
ऋणपत्र खाता से	
ऋणपत्र शोधन पर प्रीमियम खाता से	
(₹ ..... के ऋणपत्रों ..... प्रीमियम पर शोधन का निर्गमन)	

(v) बट्टे पर निर्गमन और प्रीमियम पर शोधन

बैंक खाता	नाम
ऋणपत्र बट्टा खाता	नाम
ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता	नाम
ऋणपत्र खाता से	
ऋणपत्र शोधन पर प्रीमियम खाता से	
(₹ .... ऋणपत्रों का ₹ ..... बट्टे पर निर्गमन जिनका शोधन ₹ ..... प्रीमियम पर)	

उदाहरण 6

₹ 500 के 200 ऋणपत्रों के निम्न प्रकार से निर्गमन रोजनामचा पर प्रविष्टियां कीजिए :

(i) ₹ 500 पर निर्गमन ₹ 500 पर शोधन

(ii) ₹ 450 पर निर्गमन ₹ 500 पर शोधन

(iii) ₹ 550 पर निर्गमन ₹ 500 पर शोधन

(iv) ₹ 500 पर निर्गमन ₹ 550 पर शोधन

(v) ₹ 450 पर निर्गमन ₹ 550 पर शोधन

टिप्पणी

हल :

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
(i)	बैंक खाता नाम		1,00,000	
	ऋणपत्र खाता से			1,00,000
	(₹ 500 प्रति के 200 अंशों निर्गमित किए)			
(ii)	बैंक खाता नाम		90,000	
	ऋणपत्र बट्टा खाता नाम		10,000	
	ऋणपत्र खाता से			1,00,000
	(₹ 500 के 200 ऋणपत्र ₹ 450 प्रति ऋणपत्र जारी किये)			
(iii)	बैंक खाता नाम		1,10,000	
	ऋणपत्र खाता से			1,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता से			10,000
	(₹ 500 के 200 ऋणपत्र ₹ 550 पर जारी किये)			
(iv)	बैंक खाता नाम		10,000	
	ऋणपत्र निर्गमन हानि खाता नाम		10,000	
	ऋणपत्र खाता से			1,00,000
	ऋणपत्र शोधन पर प्रीमियम खाता से			10,000
	(₹ 500 के 200 ऋणपत्रों का निर्गमन ₹ 550 पर भुगतान होना है)			
(v)	बैंक खाता नाम		90,000	
	ऋणपत्र निर्गमन हानि खाता नाम		10,000	
	ऋणपत्र बट्टा खाता नाम		10,000	
	ऋणपत्र खाता से			1,00,000
	ऋणपत्र शोधन पर प्रीमियम खाता से			10,000
	(₹ 500 के 200 ऋणपत्र ₹ 450 पर जारी किये जिनका भुगतान ₹ 550 पर होना है)			

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 30.3

I. एक कम्पनी ने ₹3,15,000 में भवन खरीदा तथा उसके प्रतिफल स्वरूप ₹100 को 10% ऋणपत्र 5% प्रीमियम पर निर्गमन किया :

(i) विक्रेता को जारी किये गये ऋणपत्रों की संख्या की गणना करें।

(ii) निर्गमन की रोजनामचा प्रविष्टि करें।

II. उचित शब्द अथवा अंक भर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

(i) ₹ 100 सममूल्य के 10% ऋणपत्र का ₹ 90 में निर्गमन किया गया। इसको .... पर निर्गमन कहेगें।

(ii) ₹ 100 सममूल्य के 9% ऋणपत्र का ₹ 120 में निर्गमन किया गया। इसको .... पर निर्गमन कहेगे।

(iii) ₹ 100 प्रत्येक के 100, 8% ऋणपत्रों को समान क्रय के लिए विक्रेताओं को निर्गमित किये गये इसको ..... निर्गमन कहेगें।

(iv) एक कंपनी ने अपने ऋणपत्र बट्टे पर जारी किये हैं इस सम्बन्ध में अपनी .... में प्रावधान किया है।

30.4 ऋणपत्रों की सह प्रतिभूति के रूप में निर्गमन

सह प्रतिभूति से अभिप्राय मुख्य प्रतिभूति के अतिरिक्त दी गई सहायक प्रतिभूति से है। यह एक सहायक अथवा द्वितीयक प्रतिभूति होती है। जब भी कोई कंपनी किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्थान से ऋण लेती है तो यह सहायक प्रतिभूति के रूप में अपने ऋणपत्र निर्गमित कर सकती है जो कि मुख्य प्रतिभूति के अतिरिक्त होती है ऋणपत्रों के इस निर्गमन को 'ऋणपत्रों का सह प्रतिभूति के लिए निर्गमित करना' कहते हैं। ऋणदाता का इन ऋणपत्रों पर उसी स्थिति में अधिकार होगा जब कंपनी ऋण का भुगतान नहीं कर पाती तथा मुख्य प्रतिभूति का उपयोग कर लिया गया है। यदि इस अधिकार के उपयोग की आवश्यकता नहीं होती है तो इन ऋणपत्रों को कंपनी को लौटा दिया जाता है। सह प्रतिभूति के लिये निर्गमित ऋणपत्रों पर ब्याज नहीं दिया जाता क्योंकि कंपनी ऋण पर ब्याज का भुगतान कर रही है।

कंपनी की लेखापुस्तकों में ऋणपत्रों के सह प्रतिभूति के रूप में निर्गमन का दो प्रकार से लेखांकन किया जा सकता है :

(i) कंपनी की लेखा पुस्तकों में कोई रोजनामचा प्रविष्टि नहीं की जाती :

ऋणपत्र सह प्रतिभूति के रूप में जारी किये गये हैं। यह टिपण्णी स्थिति विवरण की देयताएं स्तम्भ में रक्षित ऋण एवं अग्रिम शीर्षक के अन्तर्गत लिख दी जाती है। यदि अल्प अवधि ऋणों के लिए जारी किए गये है तो चालू देयताओं में दिखाएंगे।

टिप्पणी

उदाहरण 7

30.9.2014 को X लि. ने ₹ 8,00,000 का ऋण लिया, जो 5 वर्षों के बाद पुनर्भुगतेय है। इसके लिए कंपनी ने 9% ऋणपत्र समपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमित किए। कंपनी के तुलन पत्र में इन ऋणपत्रों को दर्शाइए तथा खाता टिप्पणियां तैयार कीजिए।

हल :

X लि.
स्थिति विवरण
31.3.2014 को

विवरण	*नोट*	*₹*
I. समता एवं देयताएँ		
गैर चालू देयताएं – दीर्घ अवधि ऋण	1	8,00,000

नोट

दीर्घ अवधि ऋण

बैंक ऋण	8,00,000
(9% ऋण पत्र सहप्रतिभूति द्वारा सुरक्षित)	

उदाहरण 8

1.3.2014 को Y लि. ने ₹ 10,00,000 को अल्प अवधि ऋण लिया। कम्पनी ₹ 100 प्रति के 9%, 12,000 ऋण पत्र सह प्रतिभूति के रूप में जारी किए। Y लि. की स्थिति विवरण में ऋण को दर्शाइए तथा नोट टु एकाउन्ट बनाइए।

हल :

Y लि.
स्थिति विवरण
31.3.2014 को

विवरण	*नोट*	*₹*
I. समता एवं देयताएं		
चालू देयताएं – अल्प अवधि ऋण	1	10,00,000

नोट :

अल्प अवधि ऋण

बैंक ऋण	
(12,000 9% ऋण पत्र 100 प्रति के सहप्रतिभूति द्वारा सुरक्षित)	

टिप्पणी

(ii) कम्पनी लेखापुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टि की जाती है

ऋणपत्रों के सह प्रतिभूति के रूप में जारी करने पर रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी जिसमें ऋणपत्र उचिन्त (suspense) खाते के नाम में लिखा जाएगा क्योंकि इस निर्गमन के बदले में कोई रोकड़ प्राप्त नहीं हुई है।

निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी

ऋणपत्र उचिन्त खाता नाम
ऋणपत्र खाता से
(₹ ....के .... ऋणपत्र .... को सहवर्ती प्रतिभूति के रूप में जारी किये गये)

ऋणपत्र निर्गमन करने वाली कंपनी के स्थिति विवरण में इसे इस प्रकार दर्शाया जायेगा :

जब ऋण चुकता कर दिया जाता है तो इस प्रविष्टि को इसकी उलट प्रविष्टि कर इसको रद्द कर दिया जाता है, स्थिति विवरण में सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों को अन्य ऋण पत्रों से भिन्न दर्शाया जाता है।

सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋणपत्रों को ऋण से संबंधित किया जाता है। इसलिए इन्हें उसी खातों के नोट में दिखाया जाता है, जिसमें ऋणपत्रों द्वारा सुरक्षित ऋण दिखाया जाता है। उदाहरण के लिए यदि ऋण को दीर्घ अवधि ऋण में दिखाया है तो सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमित ऋण पत्रों को भी स्थिति विवरण के एक मात्र समता एवं देयताएँ में गैर चालू देयता के अन्तर्गत दिखाया जाएगा।

उदाहरण 9

XY Ltd. ने 1.1.14 को ₹ 8,00,000 का ऋण लिया तथा ₹ 200 प्रति के 9% ऋणपत्र सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमित किए स्थिति विवरण बनाइए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए तथा खाता नोट बनाइए।

हल :

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	बैंक खाता नाम बैंक ऋण खाता से (₹ 8,00,000 का बैंक से ऋण लिया)		8,00,000	 8,00,000
	ऋण पत्र उचिन्त खाता नाम 9% ऋण पत्र खाता से (9% ऋण पत्र लेने पर सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमित किए)		10,00,000	 10,00,000

टिप्पणी

XY Ltd.
स्थिति विवरण
31.3.2014 का

विवरण	*नोट*	₹
I. समता एवं देयताएं		
दीर्घ अवधि ऋण	1	8,00,000

खाता नोट

दीर्घ अवधि ऋण

बैंक से ऋण		8,00,000
1,000 9% ₹ 100 प्रति के ऋण पत्र (सहप्रतिभूति के रूप में निर्गमित)	10,00,000	
घटा : ऋण पत्र उचिन्त खाता	10,00,000	0
		8,00,000

पाठगत प्रश्न 30.4

निम्नलिखित का उत्तर एक शब्द/शब्दों में दीजिए :

(i) मुख्य प्रतिभूति के अतिरिक्त निर्गमित प्रतिभूति का नाम लिखें।

(ii) ऋणपत्रों के सह प्रतिभूति के निर्गमन पर कंपनी की लेखा पुस्तकों में रोजनामचा प्रविष्टि करते समय किस खाते के 'नाम' में लिखा जायेगा?

(iii) ऋणपत्रों के सह प्रतिभूति के निर्गमन पर ऋणपत्र उचिंत (suspense) खाते को कंपनी के स्थिति विवरण के किस ओर लिखा जाएगा?

(iv) कम्पनी ऋणपत्रों को सह प्रतिभूति के रूप में कब जारी करती है?

30.5 ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा एवं ऋण पत्रों के निर्गमन पर हानि

यदि कंपनी अपने ऋणपत्रों को बट्टे पर जारी करती है तो बट्टे की पूरी राशि को कंपनी के लाभ-हानि खाते में से उसी वर्ष नहीं घटाया जाएगा जिस वर्ष यह छूट दी गई है। बट्टे की राशि बहुत अधिक होती है तथा ऋणपत्रों के निर्गमन से कम्पनी को कई वर्षों तक लाभ प्राप्त होता है। इसीलिए बट्टे की राशि के एक भाग को ही प्रतिवर्ष अपलिखित किया जाता है। सामान्यतः इसे इन ऋणपत्रों के शोधन से पूर्व ही समाप्त कर दिया जाता है।

ऋणपत्रों के निर्गमन पर दी गई छूट की राशि को पूँजीगत हानि माना जाता है।

टिप्पणी

ऋणपत्र पर बट्टे की राशि का अपलेखन दो प्रकार से किया जा सकता है :

1. सभी ऋणपत्रों का एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर शोधन किया जाता है :

जब ऋणपत्रों का एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर शोधन किया जाता है तो बट्टे की राशि को ऋणपत्रों के निर्गमन से उनके शोधन के मध्य के वर्षों में बराबर बांट दिया जाता है। ऋणपत्रों के निर्गमन पर दी गई छूट की राशि के अपलेखन की राशि की गणना इस प्रकार की जाएगी :

$$\text{प्रति वर्ष अपलिखित बट्टा राशि} = \frac{\text{बट्टे की कुल राशि}}{\text{कुल वर्ष}}$$

उदाहरण 10

एक कंपनी ने 1000 ऋणपत्र ₹ 1,000 प्रति से 10% बट्टे पर 5 वर्ष के लिये निर्गमित किये अर्थात इनका शोधन 5 वर्ष के पश्चात होना था। प्रतिवर्ष के लिए बट्टे की राशि की गणना कीजिए तथा ऋण पत्र बट्टा खाता बनाइए।

हल :

$$\text{ऋणपत्र बट्टे की राशि} = \frac{(1,000 \times 1,000) \times 10}{100} = ₹\ 1,00,000$$

$$\text{प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली राशि} = \frac{₹1,00,000}{100} = ₹\ 20,000$$

लेखाकरण

प्रतिवर्ष ऋणपत्र बट्टे को अपलिखित करने की रोजनामचा प्रविष्टि

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	लाभ-हानि खाता नाम		20,000	
	ऋणपत्रों का निर्गमन बट्टा खाता से			20,000
	(ऋणपत्र बट्टा राशि का अपलिखित करना)			

ऋणपत्र बट्टा खाता, बट्टे की राशि के अपलिखित करने तक इस प्रकार से दर्शाया गया है :

ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)
	प्रथम वर्ष				*प्रथम वर्ष*		
जन 1	ऋणपत्र खाता		1,00,000	दिस. 31	लाभ-हानि खाता		20,000
				दिस. 31	शेष आ/ला		80,000
			1,00,000				1,00,000
	द्वितीय वर्ष				*द्वितीय वर्ष*		
जन 1	शेष आ/ले		80,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		20,000
				दिस. 31	शेष आ/ला		60,000
			80,000				80,000
	तृतीय वर्ष				*तृतीय वर्ष*		
जन 1	शेष आ/ले		60,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		20,000
				दिस. 31	शेष आ/ला		40,000
			60,000				60,000
	चौथा वर्ष				*चौथा वर्ष*		
जन 1	शेष आ/ले		40,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		20,000
				दिस. 31	शेष आ/ला		20,000
			40,000				40,000
	पाँचवा वर्ष				*पाँचवा वर्ष*		
जन 1	शेष आ/ले		20,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		20,000
			20,000				20,000

2. ऋणपत्रों का किश्तों में शोधन

ऋणपत्रों का एक निश्चित अवधि के भीतर किश्तों में शोधन किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में ऋणपत्र बट्टे की राशि को ऋणपत्र की शोधित राशि के अनुपात में प्रतिवर्ष समाप्त कर दिया जाएगा।

उदाहरण 11

एक कंपनी में 3000 9% ऋणपत्र ₹ 1,000 प्रति से 10% बट्टे पर निर्गमित किए। यदि ऋणपत्रों का पांच वार्षिक समान किश्तों में शोधन किया गया है तो प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली ऋणपत्र बट्टा राशि की गणना कीजिए तथा ऋणपत्र बट्टा खाता भी बनाइए।

हल :

ऋणपत्र के निर्गमन पर बट्टा राशि की गणना :

कुल ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा राशि

टिप्पणी

$$= \frac{10}{100} \times 3,000 \times 1,000 = ₹\ 3,00,000$$

वर्ष समाप्ति	ऋण पत्र की देय राशि	अनुपात	बट्टे की राशि की समाप्ति
प्रथम	30,00,000	5	$3,00,000 \times \frac{5}{15} = 1,00,000$
द्वितीय	24,00,000	4	$3,00,000 \times \frac{4}{15} = 80000$
तृतीय	18,00,000	3	$3,00,000 \times \frac{3}{15} = 60000$
चतुर्थ	12,00,000	2	$3,00,000 \times \frac{2}{15} = 40000$
पंचम	6,00,000	1	$3,00,000 \times \frac{1}{15} = 20000$
		15	

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
प्रथम वर्ष	लाभ-हानि खाता ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टे खाता से (ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टे को समाप्त किया)		1,00,000	1,00,000

प्रतिवर्ष बट्टे की सम्बन्धित राशि से समान प्रविष्टि की जाएगी।

बट्टे की राशि की सम्पूर्ण समाप्ति तक ऋण पत्र बट्टा खता इस प्रकार दर्शाया जाएगा :

ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)	तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	राशि (₹)
	प्रथम वर्ष				*प्रथम वर्ष*		
जन. 1	ऋणपत्र खाता		3,00,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		1,00,000
				दिस. 31	शेष आ/ले		2,00,000
			3,00,000				3,00,000

टिप्पणी

	द्वितीय वर्ष				*द्वितीय वर्ष*		
जन. 1	शेष आ/ले		2,00,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		80,000
				दिस. 31	शेष आ/ले		1,20,000
			2,00,000				2,00,000
	तृतीय वर्ष				*तृतीय वर्ष*		
जन. 1	शेष आ/ले		1,20,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		60,000
				दिस. 31	शेष आ/ले		60,000
			1,20,000				1,20,000
	चतुर्थ वर्ष				*चतुर्थ वर्ष*		
जन. 1	शेष आ/ले		60,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		40,000
				दिस. 31	शेष आ/ले		20,000
			60,000				60,000
	पंचम वर्ष				*पंचम वर्ष*		
जन. 1	शेष आ/ले		20,000	दिस. 31	लाभ हानि खाता		20,000
			20,000				20,000

ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि

आप सीख चुके हैं कि एक कंपनी इस शर्त के साथ ऋणपत्रों का निर्गमन कर सकती है कि परिपक्वता पर ऋणपत्रों का भुगतान प्रीमियम पर किया जाएगा। ऋणपत्रों के निर्गमन के समय देय प्रीमियम राशि को ऋणपत्र निर्गमन हानि खाता के नाम में लिखा जाएगा। राशि को उसी प्रकार से अपलिखित किया जाएगा जिस प्रकार ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टे की राशि को समाप्त किया जाता है। इसका उदाहरण नीचे दिया गया है :

(i) एक निश्चित अवधि की समाप्ति पर सभी ऋणपत्रों का शोधन :

रोजनामचा प्रविष्टि

ऋणपत्र बट्टा राशि की प्रतिवर्ष समाप्ति :

लाभ-हानि विवरण — नाम

ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता से

(ऋणपत्र निर्गमन पर हानि का अपलेखन)

यही रोजनामचा प्रविष्टि प्रति वर्ष की जाएगी जब तक कि ऋणपत्र निर्गमन पर सम्पूर्ण हानि अपलिखित नहीं हो जाती।

प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली कुल राशि की गणना

$$\text{प्रतिवर्ष हानि की अभिलेखन की राशि} = \frac{\text{ऋणपत्रों के निर्गमन पर कुल हानि}}{\text{कुल वर्ष}}$$

टिप्पणी

उदाहरण 12

एक कंपनी ने 1,000 10% ऋणपत्र ₹ 1,000 प्रति से 1 जनवरी 2006 को निर्गमित किये जिनका भुगतान 5 वर्ष के पश्चात 10% प्रीमियम पर किया जाना था। वर्ष समाप्ति 31 दिसम्बर 2006 के लिए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए तथा ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता बनाइए।

हल :

ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि की राशि = $\frac{1,000 \times 1,000 \times 10}{100}$ = ₹ 1,00,000

राशि जिसे प्रतिवर्ष अपलिखित करना है = $\frac{1,00,000}{5}$ = ₹ 20,000

ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता

तिथि	*विवरण*	*राशि (₹)*	*तिथि*	*विवरण*	*राशि (₹)*
2006 जन. 1	10% ऋणपत्र खाता	1,00,000	2006 दिस. 31	लाभ–हानि खाता	20,000
			दिस. 31	शेष आ/ले	80,000
		1,00,000			1,00,000
2006 जन. 1	शेष आ/ला	80,000			

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2006 दिस. 31	लाभ-हानि विवरण नाम ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता से (ऋण निर्गमन पर हानि का लाभ-हानि विवरण में हस्तान्तरण)		20,000	20,000

(ii) ऋणपत्रों का किश्तों में शोधन

ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि की प्रतिवर्ष अपलिखित की जाने वाली राशि की गणना उसी प्रकार से की जाएगी जिस प्रकार से ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे की की जाती है तथा इनका लेखांकन भी उसी के समान किया जाएगा।

टिप्पणी

उदाहरण 13

उदाहरण 10 में कंपनी ऋणपत्रों का शोधन पांच समान किश्तों में करने का निर्णय लेती है जिसका प्रारम्भ वह प्रथम वर्ष से करना चाहती है। ऋणपत्र निर्गमन पर हानि को समाप्त करने की रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए तथा प्रथम वर्ष के लिए ऋणपत्र के निर्गमन पर हानि के अपलेखन करने की रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए तथा प्रथम वर्ष के लिए ऋणपत्र के निर्गमन पर हानि खाता बनाइये:

हल

ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि की राशि = $\frac{1,000 \times 1,000 \times 10}{100}$ = ₹ 1,00,000

प्रति वर्ष अपलेखन की जाने वाली राशि की गणना

वर्ष समाप्ति	*देय राशि (₹)*	*अनुपात*	*प्रतिवर्ष समाप्त की जाने वाली हानि की राशि*
प्रथम	10,00,000	5	$1,00,000 \times \frac{5}{15} = 33,333$
द्वितीय	8,00,000	4	$1,00,000 \times \frac{4}{15} = 26,667$
तृतीय	6,00,000	3	$1,00,000 \times \frac{3}{15} = 20,000$
चतुर्थ	4,00,000	2	$1,00,000 \times \frac{2}{15} = 13,333$
पंचम	2,00,000	1	$1,00,000 \times \frac{1}{15} = 6,667$
		15	

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2006 दिस. 31	लाभ-हानि विवरण नाम ऋणपत्र निर्गमन हानि खाता से (वर्ष 2006 के लिए ऋणपत्र निर्गमन		33,333	 33,333

टिप्पणी

ऋणपत्र निर्गमन पर हानि खाता

नाम जमा

तिथि	विवरण	राशि (₹)	तिथि	विवरण	राशि (₹)
2006			2006		
जन. 1	10% ऋणपत्र खाता	1,00,000	दिस. 31	लाभ-हानि खाता	33,333
			दिस. 31	शेष आ/ले	66,667
		1,00,000			1,00,000
2007					
जन. 1	शेष आ/ला	66,667			

ऋणपत्रों पर ब्याज

यदि आपने समाचार पत्र में किसी कंपनी के ऋणपत्रों के निर्गमन का विज्ञापन देखा है तो आपने ध्यान दिया होगा कि ऋणपत्रों के आगे सदा कुछ प्रतिशत् जुड़ा होता है जैसे कि 9% ऋण पत्र, 12% ऋणपत्र आदि। क्या कभी आपने सोचा है कि इसका क्या अर्थ होता है। यह ब्याज की वह दर होती है जिसके अनुसार ऋणपत्रधारकों को प्रति वर्ष ब्याज का भुगतान किया जायेगा। सामान्यतः कंपनी ऋणपत्रों को ब्याज का भुगतान 6 माह के पश्चात करती है; कंपनी की बहियों में इसकी रोजनामचा प्रविष्टि इस प्रकार की जायेगी :

(i) ऋणपत्र ब्याज का भुगतान

ऋणपत्र ब्याज खाता नाम

बैंक खाता से

(..... : से ऋणपत्रों पर छमाही समाप्ति

..... : की दर से ब्याज का भुगतान किया)

(ii) ऋणपत्रों पर ब्याज का लाभ-हानि विवरण में हस्तान्तरण

लाभ-हानि खाता नाम

ऋणपत्र ब्याज खाता से

(ऋणपत्रों पर ब्याज का लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण)

उदाहरण 14

एक्स लि. (X Ltd) ने 1 अप्रैल, 2006 को 5,000 9% ऋणपत्र ₹ 1,000 प्रति से निर्गमित किये। ब्याज का भुगतान प्रति छः महीने के बाद किया जाता है। निर्गमन की तिथि से प्रथम छमाही के ब्याज के भुगतान की रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए।

टिप्पणी

हल :

6 माह के अन्तराल में देय ब्याज की गणना

$$\text{ब्याज} = \frac{\text{ऋणपत्रों की राशि X 9}}{100} \text{ X } \frac{6}{12} = ₹\ 2,25,000$$

ऋणपत्र की राशि = 5,000 × ₹ 1,000 = ₹ 50,00,000

छमाही समाप्ति 30 सितम्बर, 2006 के लिए ऋणपत्रों पर ब्याज

$$= \frac{50,00,000 \times 9}{100} \times \frac{6}{12} = 2,25,000$$

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
2006 सित. 30	ऋणपत्र ब्याज खाता नाम बैंक खाता से (5,000 9% ऋणपत्र ₹ 1,000 प्रति पर 30 सितम्बर, 2006 को समाप्त छमाही का ब्याज)		2,25,000	2,25,000
2007 मार्च 31	लाभ–हानि विवरण नाम ऋणपत्र ब्याज खाता से (ऋणपत्र पर ब्याज का लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण)		2,25,000	2,25,000

पाठगत प्रश्न 30.5

निम्न का उत्तर दीजिए :

(i) ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टे की राशि स्थिति विवरण में क्यों लिखी जाती है?

(ii) 1,000 10% ऋणपत्र का 10% का बट्टे पर निर्गमन किया जिनका शोधन पांच वर्ष के पश्चात होना था। प्रतिवर्ष ऋणपत्र बट्टे की अपलेखन की राशि की गणना कीजिए।

(iii) कम्पनी ने 5,000 10% 100/- प्रति के ऋण पत्र 1 जन. 2014 को जारी किए। ब्याज प्रतिवर्ष 30 जून एवं 31 दिसम्बर को भुगतान किया जाना है। 2015 में ऋण पत्र धारक को दिए जाने वाले ब्याज की गणना कीजिए।

टिप्पणी

आपने क्या सीखा

- ऋणपत्र ऋण राशि की एक इकाई होती है जिसको कंपनी के ऋणदाता को निर्गमित किया जाता है। ऋणपत्रों में ऋणपत्र स्टाक, बांड या अन्य प्रतिभूतियाँ सम्मिलित होती हैं चाहे उनका कंपनी की सम्पत्ति पर अधिकार है अथवा नहीं।

  ऋणपत्रों को निम्न के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है :

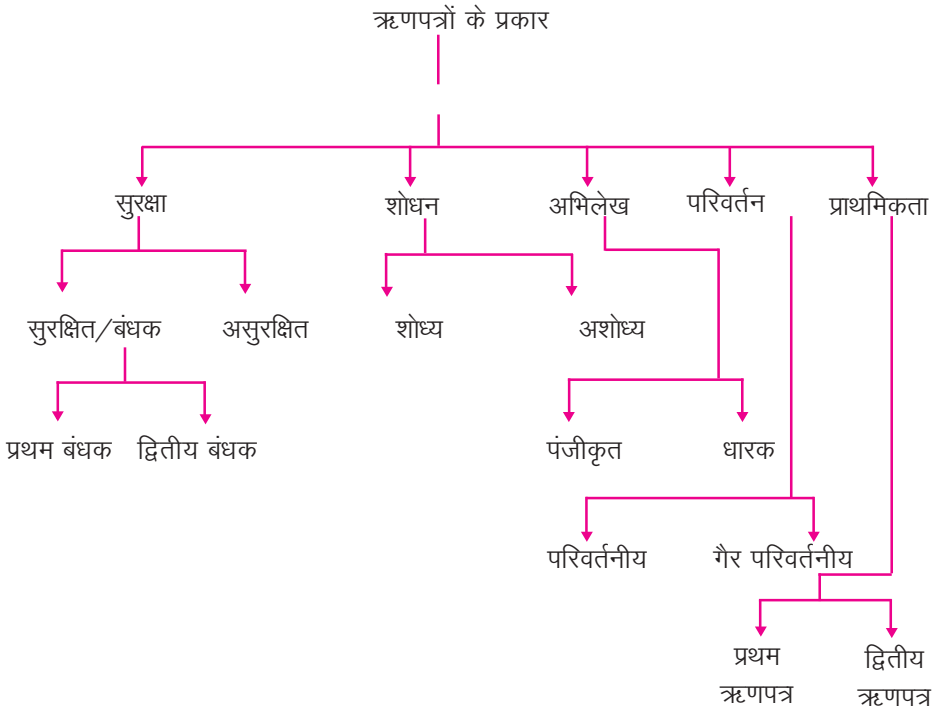

- ऋणपत्रों का निर्गमन : ऋणपत्र नकद सममूल्य पर, रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के रूप में, सह प्रतिभूति के रूप में जारी किये जा सकते हैं। ऋणपत्र अधि-अभिदान पर माने जायेंगे यदि कम्पनी के पास उसके द्वारा प्रस्तावित अभिदान से अधिक के लिए आवेदन आते हैं।

  ऋणपत्रों को प्रीमियम, बट्टे पर एवं रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के रूप में निर्गमित किये जा सकते है।

- ऋणपत्रों को शोधन के सम्बन्ध में जुड़ी निम्न शर्तों के साथ निर्गमित किया जा सकता है।
  - सममूल्य पर निर्गमन, सममूल्य पर शोधन
  - बट्टे पर निर्गमन, सममूल्य पर शोधन
  - प्रीमियम पर निर्गमन, सममूल्य पर शोधन

- ⏭ सममूल्य पर निर्गमन, प्रीमियम पर शोधन
- ⏭ बट्टे पर निर्गमन, प्रीमियम पर शेधन

- ऋणपत्रों के सह प्रतिभूति के रूप में निर्गमन का अर्थ है ऋणदात्री संस्था को ऋणपत्रों का मुख्य प्रतिभूति के अतिरिक्त/द्वितीयक प्रतिभूति के रूप में जारी करना।

टिप्पणी

पाठान्त प्रश्न

1. ऋणपत्र क्या होते हैं? विभिन्न प्रकार के ऋणपत्रों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. ऋणपत्रों का अधि-अभिदान कब माना जाता है? ऋणपत्रों के अधि-अभिदान की स्थिति में लेखांकन किस प्रकार किया जायेगा?

3. निम्न स्थितियों में क्या लेखांकन होगा?

   (क) ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किये गये

   (ख) ऋणपत्र बट्टे पर निर्गमित किये गये

   (ग) ऋणपत्र रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के स्वरूप निर्गमित किये गये।

4. ऋणपत्रों का सह प्रतिभूति के रूप में निर्गमन का क्या अर्थ है? कम्पनी की लेखा पुस्तकों में इसका लेखांकन किस प्रकार से किया जाता है?

5. ऋणपत्रों के बट्टे पर निर्गमन को समझाइए। कम्पनी की लेखा पुस्तकों में बट्टे की राशि का लेखांकन किस प्रकार से किया जाता है?

6. एम.बी.एस कंपनी लि. ने ₹ 100 के 5,000 9% ऋणपत्र ₹ 20 प्रति ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किये हैं जो इस प्रकार देय है : 60 रु. (प्रीमियम सम्मिलित कर) आवेदन एवं आबंटन पर तथा शेष याचना पर 16,500 ऋणपत्रों के लिये आवेदन प्राप्त हुये। 500 ऋणपत्रों के आवेदन पूरी तरह अस्वीकार कर दिये गये तथा शेष आवेदकों को अनुपात के आधर पर आबंटन किया गया।

   सभी राशि मांग के अनुसार प्राप्त हुई कंपनी की लेखा पुस्तकों में निर्गमन के सम्बन्ध में रोजनामचा प्रविष्टयां कीजिए।

7. न्यू वैन्चरस् लि. ने ₹ 4,95,000 के पुस्तक मूल्य पर अन्य फर्म से एक संयन्त्र क्रय किया। क्रय के प्रतिफल के रूप में 100 रु. के 10% ऋण पत्र जारी किये। यह मान लीजिए कि ऋणपत्रों को निर्गमित किया गया (1) सम मूल्य पर, (2) 10% बट्टे पर, (3) 10% प्रीमियम पर

8. एक्स, वाई, जैड लि. ए. बी. सी. लि. के व्यवसाय का, जिसमे ₹ 4,50,000 की परिसम्पत्तियां तथा ₹ 1,50,000 की देयताएं थी, ₹ 4,00,000 में क्रय किया। क्रय के प्रतिफल स्वरूप इसने ₹ 100 के 10% पूर्ण भुगतान प्राप्त ऋणपत्र निर्गमित किए। रोजनामचा प्रविष्टियां कीजिए।

9. गैस्पिग फर्नीशिंग एण्ड डैकोरेशन लि. ने स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया से ₹ 10,00,000 का सुरक्षित ऋण लिया तथा सह प्रतिभूति स्वरूप 1,500 10% ऋणपत्र ₹ 1,000 प्रति ऋणपत्र निर्गमित किए। कम्पनी की लेखा पुस्तकों में इन ऋणपत्रों का लेखांकन कीजिए।

10. निम्न स्थितियों में ₹ 100 प्रति 10% ऋणपत्रों को निर्गमित करने की रोजनामचा प्रविष्टियाँ कीजिए :

    (क) 4,000 ऋणपत्रों का ₹ 100 प्रति पर निर्गमन तथा ₹ 120 प्रति ऋणपत्र पर शोधन

    (ख) 2,000 ऋणपत्रों का ₹ 120 प्रति ऋणपत्र पर निर्गमन तथा ₹ 100 प्रति ऋणपत्र पर शोधन

    (ग) 5,000 ऋणपत्रों का ₹ 90 प्रति ऋण पत्र पर निर्गमन तथा ₹ 100 प्रति ऋणपत्र पर शोधन

    (घ) 6,000 ऋणपत्रों का ₹ 90 प्रति ऋण पत्र पर निर्गमन तथा ₹ 110 प्रति ऋणपत्र पर शेधन

    (ड.) 2,000 ऋणपत्रों का ₹ 100 प्रति ऋणपत्र पर निर्गमन तथा ₹ 100 प्रति ऋणपत्र पर शोधन

11. 1 जनवरी 2002 को एक सीमित कंपनी ने ₹ 10,00,000 मूल्य के ऋणपत्र 6% बट्टे पर निर्गमित किये। ऋणपत्रों का ₹ 2,00,000 के वार्षिक भुगतान से प्रति वर्ष 31 दिसम्बर को शोधन करना था। बट्टे की राशि का अपलेखन प्रति वर्ष ऋणपत्र की अदत्त राशि के अनुपात में करना था।

    कंपनी की खाता बही में ऋणपत्र निर्गमन बट्टा खाता उसके अपलेखन की राशि दिखाइए।

12. हाईराईज बिल्डर्स लि. ने ₹ 100 के ₹ 6,00,000 मूल्य के 10% ऋणपत्र 6% बट्टे पर निर्गमित किये जिनका भुगतान सममूल्यपर दूसरे, तीसरे एवं पाँचवें वर्ष के अन्त में समान अनुपात में होना था। बट्टा राशि के प्रति वर्ष की अपलेखन राशि की गणना कीजिए तथा ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा खाता बनाइए।

13. ए. बी. लि. ने 1 जनवरी, 2006 को ₹ 1,000 प्रति से 1,000 12% ऋणपत्र जारी किये वर्ष समाप्ति 31 दिसम्बर 2006 से मानते हुए रोजनामचा प्रविष्टि कीजिए कि ब्याज का भुगतान 31 दिसम्बर को वार्षिक किया जाता है तथा 10% कर स्रोत पर काट लिया जाता है।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

30.1 (i) शोध्य; अशोध्य (ii) पंजीकृत; वाहक
(iii) परिवर्तनीय; गैर परिवर्त्तनीय (iv) प्रथम; द्वितीय

30.2 i. (अ) नकद निर्गमन (ब) नकद के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर निर्गमन
(स) सह प्रतिभूति के रूप में निर्गमन

ii. (क) आवेदन राशि लौटा दी जाती है
(ख) आवेदन राशि अगली याचनाओं में समायोजित कर दी जाती है।

30.3 I. 3,000

विक्रेता खाता	नाम	3,15,000	
	10% ऋण पत्र खाता से		3,00,000
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता से		15,000

II. (i) बट्टा (ii) प्रीमियम
(iii) नकद के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल
(iv) अन्तर्नियम

30.4 (i) सह प्रतिभूति (ii) ऋण पत्र उचिंत खाता
(iii) परिसम्पत्ति पक्ष (iv) जब ऋणदाता अतिरिक्त जमानत मांगता है

30.5 (i) यह पूँजीगत हानि मानी जाती है
(ii) 10,000 ÷ 5 = ₹ 2000

पाठांत प्रश्नों के उत्तर

7. निर्गमित ऋणपत्र (i) 4,950, (ii) 5,500 (iii) 4,500

8. ख्याति की राशि ₹ 1,00,000

11. ऋणपत्र बट्टा राशि–अपलेखन प्रथम वर्ष ₹ 20,000 द्वितीय वर्ष ₹ 16,000 तृतीय वर्ष ₹ 12,000 चौथा वर्ष ₹ 8,000 पांचवा वर्ष ₹ 4,000

12. ऋणपत्र बट्टा राशि अपलेखन

प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष ₹ 10,800 तृतीय वर्ष ₹ 7,200 चौथा एवं पाँचवा वर्ष ₹3,600

टिप्पणी

क्रियाकलाप

उन कंपनियों का स्थिति विवरण लें जो अपने कोषों को ऋणपत्रों का निर्गमन करके एकत्र करती हैं। इनका अध्ययन करें प्रत्येक कम्पनी द्वारा निर्गमित किये गये ऋणपत्रों के प्रकार के संबंध में जानकारी एकत्र करें। कम्पनी का नाम लिखें और उचित स्तंभ में √ का निशान लगायें :

कंपनी का नाम	*ऋणपत्रों के प्रकार*				
	परिवर्तनीय	*अपरिवर्तनीय*	*सुरक्षित*	*असुरक्षित*	*सह प्रतिभूति*